[श्री राजीव शुक्ल]

Governor, world-wide, is between five and six years. I think, in India, it is not possible to give a tenure of six years or eight years or an endless tenure. I think, the current provision, most probably, is — the Finance Minister will confirm — three years, extendable for another two years. So, he can be there for five years. In India, I think, the tenure of the Reserve Bank Governor should be for a minimum of four years. That tenure should be fixed. अभी क्या है कि कुछ फिक्स्ड नहीं है। आईएएस ऑफिसर भी गवर्नर बन सकता है, क्योंकि इसके लिए कोई क्वालिफिकेशन नहीं है। कभी इकोनॉमिस्ट भी बन सकता है, कभी बैंकर भी बन सकता है, कभी फाइनेंशियल सर्विस से भी बन सकता है, कभी आउटसाइडर भी बन सकता है। इसमें कुछ ऐसा नहीं है। तो एक तो इसमें क्वालिफिकेशन फिक्स्ड होनी चाहिए कि कौन आरबीआई का गवर्नर बन सकता है, फिर उसका टेन्योर न तीन साल हो, न पांच साल हो, चार साल होना चाहिए, या गवर्नमेंट क्लीयर करे कि तीन साल के टेन्योर के बाद आरबीआई गवर्नर हट जाएगा, क्योंकि यह पहली बार हुआ कि पोलिटिकल कंट्रोवर्सी में आरबीआई गवर्नर आए और महीनों तक इस तरह की बातें होती रहीं कि क्या होना चाहिए, क्या नहीं होना चाहिए। जब इधर से बयानबाजी, उधर से बयानबाजी होती है, तो उससे बैंकों के चेयरमैन को भी फर्क पड़ता है, अर्थ-व्यवस्था को भी फर्क पड़ता है, कार्पोरेट सैक्टर्स परेशान होते हैं, बिजनेस, इंडस्ट्रीज, सब पर असर पड़ता है। इस मामले में गवर्नमेंट की क्लीयर कट पॉलिसी होनी चाहिए कि आरबीआई गवर्नर का टेन्योर क्या होगा, उसकी क्वालिफिकेशन क्या होगी और उसके एपॉयंट करने का प्रोसीजर क्या होगा और तब तक उसको उस हिसाब से ऑटोनॉमी मिलनी चाहिए। पहले सुब्बाराव जी जो गवर्नर रहे, उनका टेन्योर पांच साल किया, मेरे ख्याल से सुब्बाराव जी को छह-सात साल मिले। इस मामले में जो एक बिल्कुल फ्लेक्सिबिलिटी है, उसकी ओर गवर्नमेंट ध्यान दे और एक पॉलिसी बनाए, मेरे ख्याल से वह ठीक होगा। बहुत-बहुत धन्यवाद।

DR. T. SUBBARAMI REDDY (Andhra Pradesh): Sir, I associate myself with what the hon. Member, Shri Rajeev Shukla, has said.

श्री रणविजय सिंह जूदेव (छत्तीसगढ़): सर, मैं इस विषय से अपने आप को संबद्ध करता हूँ।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Now, Mr. Dilip Kumar Tirkey.

श्री दिलीप कुमार तिर्की (ओडिशा): सर, क्योंकि मेरा ऑलरेडी कैन्सिल हो गया था।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: You need not refer to papers. You can speak what you know. जो भी मालूम है, आप वह बोलिए।

Deaths and casualties caused due to lightening in Odisha

श्री दिलीप कुमार तिर्की (ओडिशा): महोदय, ओडिशा हमेशा नेचुरल कैलेमिटी का शिकार होता आ रहा है। मेरे ख्याल से इन नेचुरल कैलेमिटीज़ के कारण वहां लोगों को हजारों करोड़ रुपए का नुकसान उठाना पड़ा है। महोदय, अभी हमें एक और नेचुरल कैलेमिटी, लाइटनिंग देखने को मिली है। इस लाइटनिंग की वजह से हमारे ओडिशा में संडे को 52 लोग मरे हैं, जो एक बहुत सोचने वाली बात है। ऐसा पहले कभी देखने को नहीं मिला कि लाइटनिंग से इतनी भारी संख्या में लोग मरे हों। जहां तक

मेरी जानकारी है, ओडिशा में पिछले तीन महीने के अंदर दो सौ से अधिक लोग मरे हैं। यह हमारे लिए एक चिंता का विषय है, लेकिन सोचने वाली बात यह है कि ऐसी घटनाएं क्यों हो रही हैं? मुझे ऐसा लगता है कि कहीं न कहीं हमारे क्लाइमेट चेंजेज़ के कारण ऐसा हो रहा है। इसके ऊपर हमें ध्यान देना पड़ेगा। हमारा जो वेदर डिपार्टमेंट है, इनको सही टाइम पर लोगों को इंफॉर्मेशन देनी होगी, लाइटनिंग आने का सही समय इनको बताना होगा। जितने भी लोग मरे हैं, इनमें अधिकतम फार्मर्स हैं, गरीब लोग हैं। हमारी ओडिशा सरकार ने मरने वाले परिवार को चार लाख रुपए का मुआवजा दिया है और उम्मीद करता हूं कि हमारी भारत सरकार भी अपने रिलीफ फंड से उनकी सहायता करेगी। धन्यवाद, सर।

श्री आलोक तिवारी (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं इस विषय से अपने आप को संबद्ध करता हूँ।

श्री विशम्भर प्रसाद निषाद (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी इस विषय से अपने आप को संबद्ध करता हूँ।

SHRI DEREK O'BRIEN (West Bengal): Sir, I associate myself with what the hon. Member, Shri Dilip Kumar Tirkey, has said.

श्री नीरज शेखर (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी इस विषय से अपने आप को संबद्ध करता हूँ।

श्री रवि प्रकाश वर्मा (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी इस विषय से अपने आप को संबद्ध करता हूँ।

श्री रणविजय सिंह जूदेव (छत्तीसगढ़): महोदय, मैं भी इस विषय से अपने आप को संबद्ध करता हूँ।

श्री शरद यादव (बिहार): सर, यह विषय बहुत गंभीर है। देश भर में ऐसा कभी नहीं होता था, जैसे बिजली गिरने से इतने लोगों की मौत हो रही है। इसलिए भारत सरकार से मेरा कहना है कि वैज्ञानिकों से बात करके इसका रास्ता निकालना चाहिए, क्योंकि पूरे देश में बड़े पैमाने पर इसमें मौतें हो रही हैं। इसके क्या कारण हैं, इसको जरूर देखना चाहिए। इतना बड़ा बदलाव पहले कभी नहीं देखा।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Shri Shwait Malik — hon. Member not present. Shri Javed Ali Khan.

श्री जावेद अली खान: माननीय उपसभापति जी, मैं अत्यंत महत्वपूर्ण मसला सदन के सामने और सरकार के सामने रखना चाहता हूं।

†**جناب جاوید علی خان:** ماننیے اُپ سبھاپتی جی، میں بہت ہی اہم مسئلہ سدن کے سامنے اور سرکار کے سامنے رکھنا چاہتا ہوں

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Shri Javed Ali Khan. Sorry, the Zero Hour is over. You can repeat your Zero Hour notice for tomorrow.

Now, it is Question Hour.

†Transliteration in Urdu script.